

Evanjeliová stichira č. 5 a 9 // 5. hlas

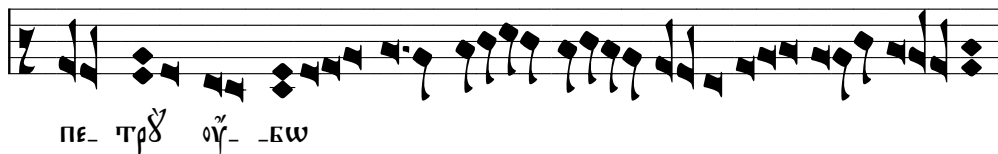
Ὠτρηννα στιχηρα, γλας ε̇:

Nápev evanjeliových stichír na 5. hlas v najstarších a vo väčšine novších neumových prameňov nepatrí k znamennému rospevu. Jedinou výnimkou medzi lavrskými rukopismi je S429, ktorý z praktických dôvodov nahrádza veľkorospevný nápev novým, jednoduchším – ale stále dlhým a bohatým na fity, zostaveným zo štandardných popevkov ZR. Predpokladáme, že ide o ruskú tvorbu z prelomu 16. a 17. storočia. Štruktúralne nápev kopíruje pôvodne delenie na kóla, avšak popevku nijak nezodpovedajú gréckym formuliam.

ΕΩΘΙΝΟΝ Ε' Ἦχος πλ. α'

Ω τών σοφών σου 5 κριμάτων Χριστέ! 5
 πῶς Πέτρῳ μὲν
 τοῖς οθονίοις μόνοις, 11
 ἔδωκας ἐννοῆσαι** 7 σου τὴν Ἀνάστασιν, 6
 Λουκά δέ καί Κλεόπα, 7
 συμπορευόμενος ὡμίλεις, 9 καί ομιλών,* 4
 οὐκ εὐθέως* 4 σεαυτὸν φανεροῖς; 6
Διό καί ονειδίζη, 7 ὡς μόνος παροικῶν ἐν Ἱερουσαλήμ, 12
 καί μή* μετέχων 5 τῶν ἐν τέλει βουλευμάτων αὐτῆς, 10
Ἄλλ' ὁ πάντα* πρὸς τό τοῦ πλάσματος 10
 συμφέρον οἰκονομῶν, 7
 καί τὰς περὶ σοῦ προφητείας ἀνέπτυσας, 13
 καί ἐν τῷ εὐλογεῖν τὸν ἄρτον, 9 ἐγνώσθησθε αὐτοῖς, 5
 ὧν καί πρό τούτου 5
 αἱ καρδίαι, πρὸς γνῶσίν* 7 σου ἀνεφλέγοντο, 6
 οἱ καί τοῖς Μαθηταῖς συνηθροισμένοις, 11
 ἤδη τρανώς* 4 ἐκήρυττόν σου τὴν Ἀνάστασιν, 10
 δι' ἧς ἐλέησον ἡμᾶς. 8

Ὁ ἄγιο πνεῦμα ἐπιτίμημα, γιάς εἶ:





ПА-ЦА -НІ - -ЦА- МН Ё - ДІ-НѢ-МН ДАЛЗ Ё - СІ РА -ЗД-МѢ-ТИ



ТВО-Ё ВОС-КРЕ-СІ - -НІ -Е;



АД-ЦѢ ЖЕ НІ КЛЕ -О - ПѢ



СПДТ^Ь -ШЕ-СТВД-А БЕ -СѢ- ДО - - ВЛЗ Ё - СІ,



НІ БЕ- СѢ- АД- ДН



НЕ Ё - БІ - - Е СЕ -БЕ ІАВ - -ЛА - -Е- ШН:



ТѢМ-ЖЕ НІ ПО-НО -СІМЗ БЫ - ВА-Е- ШН,



ІА- КВ Ё - ДНЗ ПРН-ШЕЛЬ-СТВД-А НІ ВО І - Е-РД-СА -ЛІМЗ,



И́ НЕ ПРИ-ЧА- ЦА́ АИ́ - СЯ ВЪ КО- НЕЦЪ СО- ВѢ- ТА И́ХЪ:



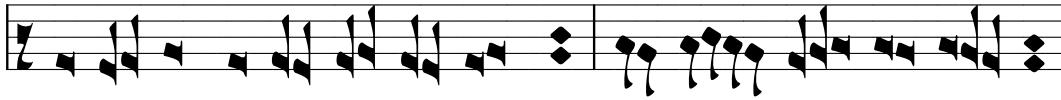
НО И́-ЖЕ ВЪ



КЪ СО- ЗА́ - НИ́ А ПО́ЛЬ- ЗѢ СТРО́-А, И́ И́-ЖЕ Ѡ ТЕ-ВѢ



ПѢ-РО́-ЧЕ- СТѢ́-А Ѡ - КРЫ́ЛЪ Ѡ́ - СЯ,



И́ ВНЕ-ГДА́ БЛА- ГО- СЛО-ВНІ́ -ТИ ХЛѢ́БЪ ПО- ЗНА́ СЯ Ѡ́ - СЯ И́МЪ,



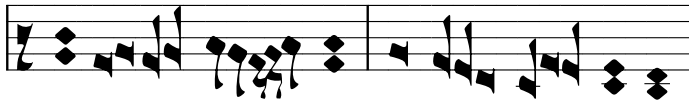
И́Х - -ЖЕ И́ ПРѢ-ЖДЕ ТО- ГѠ СЕРД-ЦА́



КЪ ПО- ЗНА́ НИЮ ТВО-Е-МѸ РАС- ПА-ЛЛ́ -СТА-СА:



И́ -ЖЕ И́ ОУ́-ЧЕ -НИ- КѠМЪ СѠ́-БРАН -НЫМЪ



οὐ̃ - ρὲ̃ ἴα̃ς - η̃ω̃ προ - πο - βῆ̃ - δα - στα



τῶο - ε̃ βοο - κρε - ε̃ - - - η̃ - ε̃,



ἡ̃μ - ρε̃



πο - - - μή - - - - - λῶ̃ ἡ̃ς.

ΕΩΘΙΝΟΝ Θ' Ἦχος πλ. α'

Ὡς ἐπ' ἐσχάτων τῶν χρόνων, ούσης οψίας Σαββάτων,
 ἐφίστασαι* τοῖς φίλοις Χριστέ,
 καὶ θαύματι* θαύμα βεβαιοῖς,
 τῇ κεκλεισμένη εἰσόδῳ τῶν θυρῶν,
 τὴν ἐκ νεκρῶν σου Ἀνάστασιν,
ἀλλ' ἐπλησας χαράς* τοὺς Μαθητάς,*
 καὶ Πνεύματος ἁγίου μετέδωκας αὐτοῖς,
 καὶ ἐξουσίαν ἐνείμας ἀφέσεως ἁμαρτιῶν,
 καὶ τὸν θωμᾶν οὐ κατέλιπες,
 τῷ τῆς ἀπιστίας καταβαπτίζεσθαι κλύδωνι.
Διό παράσχου καὶ ἡμῖν,* γνῶσιν ἀληθῆ,
 καὶ ἀφῆσιν πταισμάτων, εὐσπλαγχνε Κύριε.

Ὁ ἄγιο πνεῦμα ἐπιτίμηρα, γιάς εἰ:



ἰ - - - - - κω



εξ πο-λιῆδ-ηα-α λιῆ-τα, εδ-μδ πό-ζαῆ ω εδ-εώτξ



πρεδ-ετῆλξ εἰ-εἰ



αρδ-γώμξ χῆ- - - - - τῆ,



ἡ γδ-δε-εἰμξ





У - - - ДО ЁЗ- ВЪСТ-ВЪ - - Е- ШИ,



ЗА -КЛЮ - -ЧѢН-НЫМЪ ВХО- - - - ДУМЪ ДВѢР-НЫМЪ,



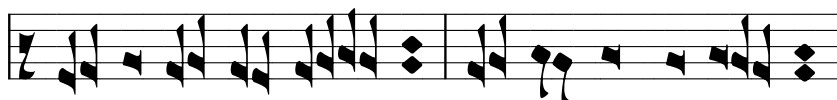
Ѣ - -ЖЕ ЁЗЪ МЕРТ-ВЫХЪ ТВО- È КОС-КРЕ- СЕ- -НІ- Е:



НО ЁС-ПОЛ-НИЛЪ ѢИ РЪ-ДО- СТИ



ОУ -ЧЕ- НИ-КЪ,



Ё ДЪ-ХА СВА-ТА - - ГО ПРЕ- ПО-ДАЛЪ Ѣ- СИ ЁМЪ,



Ё ВЛАСТЬ ПО- ДАЛЪ Ѣ- СИ Ѡ-СТА-ВЛЕ- -НІ- Ѡ ГРѢ-ХѠВЪ



Ё ДУ-ШЫ НЕ Ѡ-СТА-ВЛЪ Ѣ-СИ



ВЪ НЕ- ВѢР- СТВѢ Ѡ ПО- ГРѢ-ЖЪ-ТИ-СА БЪ-РН.



Г҃ѢМ ЖЕ ПОДАЖДЕ И НАМЪ



РА - - - ЗЪМЪ ИС - - - ТИИ НЫИ,



И ѠСТАВ ЛЕ - - НИ Е ПРЕ - - ГРѢ - - ШЕ - - НИИ



Б҃А ГО - - - С - - - ТРО - - - БНЕ ГО - - - СПО - - - - - ДИ.